THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI) (a) Particulars of registered vehicles are kept at the Headquarters of the Directorate of Transport at Under Hill Road, and at three other zonal offices of the Directorate.

The Control Room at the Headquarter of the Directorate of Transport functions round-the-clock, and the staff is also kept on duty round-the-clock at other offices of the Directorate to facilitate instant supply of information in respect of any vehicle

(b) No such suggestion has been received by the Delhi Police

(c) One Steps to bring about improvements are reviewed from time to time

Exclusive TV transmission channel for States

2219 SHRI M VINCENT Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state

(a) whether Government propose to take any measures so as to ensure that one television transmission channel is allotted exclusively to the States, and

(b) whether the Tamil Nadu Government has expressed willingness to share financial burden in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI AJIT PANJA): (a) No, Sir

(b) No such offer has been received from the Government of Tamil Nadu.

Fall in growth rate

2220 SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state.

(a) what are the reasons for a fall in growth rate of economy in the year 1985-86; and

(b) what measures have been taken by Government to improve the position as targeted in the Seventh Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI SUKH RAM) (a) and (b) There was no fall in the growth rate of economy as a whole, in 1985-86 as compared to 1984-85. As per the Annual Plan 1986-87 (copies of which have been laid on the Table of the two Houses of Parliament), the Gross Domestic Product in real terms is estimated to have gone up by over 4.5 per cent in 1985-86 as against 3 7 per cent in 1984-85

Despite unfavourable monsoon, agricultural production in 1985-86 is estimated to have been higher than in 1984-85. The total production of foodgrains in 1985-86 is estimated at 150 5 million tonnes as against 146 2 million tonnes in 1984-85 Sugarcane production is estimated to have increased from 173 57 million tonnes in 1984-85 to 175 0 million tonnes in 1985-86, cotton from 8 47 million bales to 8 60 million bales and Jute/Mesta from 7 98 million bales to 12 40 million bales during the same period

The provisional index of industrial production for 1985-86 shows an increase of 6 2 per cent over 1984-85 Though it is lower than the Plan target of 7 per cent, it is significant to note that the industrial growth has been steadily rising since 1983-84 The Manufacturing sector recorded a growth rate of 5 8 per cent in 1985-86, Electricity generation of 8 6 per cent and Mining 4 6 per cent. There was also a substantial augmentation of infrastructural facilities during 1985-86

With the launching of the Seventh Five Year Plan in 1985-86, certain major policy initiatives were taken to promote growth reinforce anti-poverty programmes and give a new direction to fiscal policy. As a result of these policy initiatives and vigorous implementation of development programmes

in different sectors, there was improvement in the growth-rate of the economy, buoyancy in public revenues and decline in the rate of inflation.

बंजर भूमि क्षेत्र

2221. **डा० रत्नाकर पांडेय** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश मे ऐसी कुल कितनी बंजर भूमि है, जिसका खेती के लिए और वन रोपण के लिए उपयोग नही किया जा सकता ;

(ख) उसमें से कितनी भूमि में वन लगाये जाने का विचार है ,

(ग) वन रोपण की सम्पूर्ण योजना को कितने चरणो में पूरा किया जायेगा ; और

(घ) इस योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की कुल कितनी बजर भमि का उपयोग किए जाने की सभावना है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री जैड० आर० अंसारी) : (क) राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वार किए गए एक आकलन के अनुसार देश मे गैर-वन और अवक्रमित वन क्षेत्र लगभग 175 मिलियन हेक्टेयर है ।

(ख) और (ग) अगले कुछ वर्षों मे कुल वनरोपण कार्यक्रम निम्नानुसार होने की उम्मीद है :—

वर्ष	मिलियन हेक्टेयर
1986–87 . .	1.7
1987–88 . .	2.3
1988–89 . .	3 0
1989–90 . .	4.0
1990–91 . .	5.0

(घ) वन रोपण के लिए परती भूमि का निर्धारण साल-दर साल आधार पर किया जाता है ।

हिन्दी समाचार समितियों का बन्द किया जाना

2222. **डा० र लाकर पांडेय** : क्या **सूचना और प्रसारण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिन्दी की दोनो समाचार समितियां हिन्दुस्तान समाचार और समाचार भारती या तो बद कर दी गयी है अथवा बद प्राय हो गयी है ,

(ख) क्या अहिन्दी राज्यो मे काम कर रही इन समितियो ने राजभाषा विभाग से कोई सहायता मागी थी ,

(ग) यदि हा, तो इस मामले मे क्या निर्णय लिया गया , और

(घ) क्या सरकार ऐसी किसी सस्था को सहायता प्रदान करेगी, जो हिन्दी अथवा अन्य किन्ही भारतीय भाषाओ मे समाचार वितरित करेगी ?

सूचना और प्रसारण मत्रालय के राज्य मत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) देश मे समाचार एजेंसिया निजी स्वामित्व मे है और सरकार प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप इनके आन्तरिक कार्य सचालन मे हस्तक्षेप नही करती । इसलिए सरकार को इस बात की जानकारी नही है कि क्या हिन्दी की प्रश्नास्पद दो समाचार एजन्सियां वास्तव मे कार्य कर रही है । तथापि, समाचार पत्र उद्योग मे यह व्यापक धारणा है कि ये दोनो एजेंसियां, अपनी बिगडी आर्थिक स्थिति के कारण, वास्तव मे ठप हो गई है ।

(ख) और (ग) राजभाषा विभाग को हिन्दुस्तान समाचार से आर्थिक सहायता के लिए एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था । इसे स्वीकार नही किया जा सका, क्योकि इस विभाग की इस प्रकार की सहायता देने की कोई स्कीम नही है ।

(घ) जी, नही ।